## कुछ रंग जीवन में सिर्फ अपने लिए भरना

मुमुक्ष पोरवाल

सात तरह के रंग में से जो पसंद आए वो रंग अपने जीवन में भरना,
कभी किसी घड़ी कोई मुसीबत आ जाए तो,
न डरना, न घबराना, न ही किसी को बैचेन नज़र आना,
हिम्मत को हथियार बना एक नई कहानी लिखना,
अपनी ग़लतीयो से हर बार कुछ सीखना।

हारने के डर से, दौड़ना नहीं छोड़ना,
रुक जाना भले राह में, तसल्ली से सांस लेना,
जो मुसिबत आए भले, मंजिल से मुंह कभी न मोड़ना,
जोश का एक कलम उठा, होश में कहानी लिखना,
अपनी कामीयाबी की दास्तान ऊंची आवाज़ में चीखना।

एक रंग खुशी का सबमें जरूर बांटना,
दर्द, गम और हताशा की कटार से कभी सपनों को मत काटना,
जीवन हर रोज़ नई, सुनहरी रोशनी में काटना,
कभी डर लगे आगे बढ़ने में, तो पिता के संघर्ष की ओर झांकना,
मां की ममता को हथियार बना एक नई कहानी लिखना,
कुछ रंग अपने जीवन के, अपनों के जीवन में भरना भी सीखना।